(ग) और (घ). इस विषय में, पहली मई 1972 से सभी राज्य सरकारों के लिए बनाये गये और बताये गये तरीके के मुताबिक राज्य सरकारों को रिजर्व बैंक से लिये जाने वाले ओवरड्राफ्टों को बजट के साधन के रूप में इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है और अगर राज्य सरकारें 7 दिन से अधिक लगातार ओवरड्राफ्ट लेती रहती हैं तो राज्य सरकारों के भुगतान रोक दिये जाते हैं। केरल और कर्नाटक की सरकारें बहुत लम्बे अर्से से रिजर्व बैंक से ओवरड्राफ्ट ले रही थी। इन राज्यों को अपने अपने ओवरड्राफ्ट को साफ करने के लिए उपाय करने के लिए कहा गया था, किन्तु इसके बावजूद, इन राज्यों ने ऐसा नहीं किया। अतः 4 मई, 1974 से उन्हें भुगतान करना बन्द करना पड़ा। परन्तु राज्य सरकारों के साथ बातचीत करने पर जब उन्होंने अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए कदम उठाने का जिम्मा उठाया तब चालू वर्ष में उन्हें केन्द्र से मिलने वाली रकम की पेशगी अदायगी कर दी गयी ताकि वे राज्य अपने ओवरड्राफ्टों को साफ कर सकें। बाद में भारतीय रिजर्व बैंक ने कर्नाटक के मामले में 6 मई से और केरल के मामले में 8 मई से भुगतान करना शुरू कर दिया।

कर्नाटक के बेल्लारी तथा काकीनाड़ा स्थानों में जाली नोटों की बरामदगी

1398. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मई-जून, 1974 में कर्नाटक के बेल्लारी तथा काकीनाड़ा और आन्ध्र प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर भारी मात्रा में 100-100 रुपये के जाली नोट बरामद किये गये; और

(ख) इस संबंध में कितने व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है और उसका ब्यौरा क्या है तथा जाली नोटों का प्रचलन रोकने के लिए सरकार की भावी योजना और नीति क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश): (क) और (ख). सम्बद्ध राज्य सरकार से सूचना इकट्ठी की जा रही है और यथाशीघ्र सभा-पटल पर रख दी जायगी।

राज्यों पर बकाया केन्द्रीय ऋण

1399. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री एच० एम० पटेल

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये ऋणों की इस समय राज्य सरकारों पर कुल कितनी राशि राज्यवार बकाया है; और

(ख) इन ऋणों को वसूल करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्तराव चह्वाण): (क) सभा पटल पर एक विवरण रख दिया गया है जिसमें 1972-73 के अंत में प्रत्येक राज्य के नाम केन्द्रीय सरकार के बकाया ऋण दिखाये गये हैं। यह सब से बाद का वर्ष है जब तक कि अंतिम आंकड़े उपलब्ध हैं।